



DSSSB PRT, TGT & PGT



Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

तद्भव - तत्सम



LIVE

21-05-2024 09:00 AM

^{संस्कृत}
तत्सम परिभाषा - तत्सम दो शब्दों तत् + सम से मिलकर बना है।

जिसका अर्थ होता है उसके समान अर्थात् संस्कृत के समान।

हिन्दी में अनेक शब्द संस्कृत से सीधे आए हैं और आज भी उसी रूप में प्रयोग किए जा रहे हैं अर्थात् जिन शब्दों को संस्कृत से बिना किसी परिवर्तन अथवा बदलाव का उपयोग किया जाता है उन्हें तत्सम शब्द कहते हैं। इसमें ध्वनि परिवर्तन भी नहीं होता है। जैसे - दधि, गोमय,

अक्षि

श्रीधर

तद्भव परिभाषा - तद्भव (तत् + भव) शब्द का अर्थ है - उससे होना
अर्थात् संस्कृत शब्दों को थोड़ा परिवर्तित करकर बने शब्द।

समय और परिस्थिति की वजह से तत्सम शब्दों में जो परिवर्तन हुए
हैं उन्हें तद्भव शब्द कहते हैं।

संस्कृत के जो शब्द प्राकृत, अपभ्रंश, पुरानी हिन्दी आदि से गुजरने
के कारण आज परिवर्तित रूप में मिलते हैं, वे तद्भव शब्द कहलाते
हैं। जैसे - किवाड़, लाख, आँख, गोबर इत्यादि।

तत्सम और तद्भव शब्दों को पहचानने के नियम –

1. तत्सम शब्दों के पीछे ‘क्ष’ वर्ण का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों के पीछे ‘ख’ या ‘छ’ शब्द का प्रयोग होता है।
2. तत्सम शब्दों में ‘श्र’ का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में ‘स’ का प्रयोग हो जाता है।
3. तत्सम शब्दों में ‘श’ का प्रयोग होता है।
4. तत्सम शब्दों में ‘ष’ वर्ण का प्रयोग होता है।
5. तत्सम शब्दों में ‘ऋ’ की मात्रा का प्रयोग होता है। कृपा
6. तत्सम शब्दों में ‘र’ की मात्रा का प्रयोग होता है। र

7. तत्सम शब्दों में 'व' का प्रयोग होता है और तद्भव शब्दों में 'ब' का प्रयोग होता है।

तद्धव	तत्सम्
अठावन	अष्टपञ्चाशत्
अदरक	आर्द्रक
उन्तालीस	ऊनचत्वारिंशत्
अँगरख	अंगरक्षक
अजवायन	यवनिका
असगंध	अश्वगंध

इक्यावन	सकपंचाशत्
इक्यासी	सकाशीति
उजाला	उज्ज्वल
उन्तीश	नवविंशति
ओढ़ना	अपैठन
औंधा	अवमूर्ध
औटाना	उत्तापन

कचहरी	कृत्यग्रह
काढ़ा	क्वाथ
कोहनी	कफोणी
कच्चा	कुफच
कंघी	कंकती
करेला	कंडुर/कारवेल
खाना	खादन

खोदना	क्षौदन
गेंद	कंदुक
गड़रिया	गड्डलिका
चाहे	चक्षौ
चिड़िया	चटिका
चींटी	पिपीलिका
चोरी	चौर्य

चख	चक्षु
छिलका	शकल
छब्बीस	षटविंशति
छोड़ना	क्षोऽन
झुकना	अधुक्ता
टाँका	टंक
ढाई	अर्द्धतृतीय

पिछौरा	पक्षपट
परनाली	प्रणाली
पीढ़ी	पीठिका
पुतली	पुत्तलिका
बाड़ी	वाटिका
बत्ती	वर्तिका
भोजपत्र	भूर्जपत्र

महुआ	मधुव
रीठा	अरिष्ट
रहट	अरघट
राख	क्षार
शीशम	शिशपा
कान	कर्ण
खेत	क्षेत्र

बात	वार्ता
चंदा	चन्द्रमा
अमिय	अमृत
अच्छर	अक्षर
बन्दर	वानर
मक्खी	मक्षिका
ससुर	श्वसुर

काटना	कर्त्ति
हल्दी	हरिद्रा
पंख	पक्ष
ऊँट	उष्ट्र
काम	कर्म
अजान	अज्ञान
आँख	अक्षि

बाती	वर्तिका
भभूत	विभूति
हाथ	हस्त
कुत्ता	कुक्कुर
कोयल	कौकिल
लाख	लक्ष
किवाड़	कपाट

कूची	कूर्चिका
मोर	मयूर
सोना	स्वर्ण
गाय	गौ
जामुन	जम्बुक
भैंस	महिषी
गोबर	गोमय

पिय	पिय
कपडा	कर्पट
नारियल	नारिकेल
भँवरा	भ्रमर
मुदरी	मुद्रिका
चूरन	चूर्ण
मनई	मानव

पंछी	पक्षी
गधा	गर्दभ
घर	गृह
नेह	स्नेह
लाज	लज्जा
कंधा	स्कन्ध
रीस	ईर्ष्या

ढीठ	धृषट
अखरोट	अक्षौट
ओझा	उपाध्याय
मिट्टी	मृत्तिका
बारात	वरयात्रा
पंख	पक्ष
हुलास	उल्लास

दीठि

दृष्टि

मुदरी

मुद्रिका

रात

रात्रि

कुआँ

कूप

बाघ

व्याघ्र

मुँह

मुख

तीरथ

तीर्थ

सूरज

सूर्य

गेहूँ

गोधूम

देवर

द्विवर

आज

अद्य

खप्पर

खपरि

दूध

दुग्ध

दही

दधि

गहरा	गम्भीर
मोती	मौक्तिक
घोड़ा	घोटक
दिन	दिवस
पलंग	पर्यंक
सच	सत्य
सौत	सपत्नी

कोख	कुक्षि
भूख	बुभुक्षा
कड़वा	कटु
पत्थर	प्रस्तर
आँसू	आश्रु
बच्चा	वत्स
अचरज	आश्चर्य

पत्ता	पर्ण
खीर	क्षीर
घी	घृत
जिजमान	यजमान
धरती	धरित्री
चना	चणक
ऊन	ऊर्ण

साँप	सर्प
घड़ा	धट
अकाज	अकार्य
खाट	खट्वा
पोखर	पुकर
सुई	सूचिका
आसमान	आकाश

केस	केश
गनेस	गणेश
हरा	हरित
सगुन	शकुन
सुमिरन	स्मरण
सबद	शब्द
सुनार	स्वर्णकार

सीख	शिक्षा
मच्छर	मत्सर
भीख	भिक्षा
बगुला	वक्
बढ़ई	वीर्ध
पतोहू	पुत्रवधू
पात	पत्र

नाच	नृत्य
नंगा	नग्न
धीरज	धैर्य
शामना	सुखभन
ढीला	शिथिल
झरना	निर्वर
झीना	जीर्ण

जोगी	यौगी
जुगति	युक्ति
चोरी	-चौर्य
छुरी	क्षुरी
कैसा	कीदृश
गोत	गौत
चौपाया	-चतुषपद

ऐसा	ईदृश
आँच	अर्चि
आयसु	आदेश
अपाहिज	अपादहस्त
जम्हाई	जृम्भिका
अगुआ	अग्रणी
चीता	चित्रक

चबाना	—चर्वण
गाहक	<u>काहिक</u>
ग्वाला	गौपालक
गिरगिट	<u>गालगति</u>
मूँछ	श्मश्रु
केवट	कैवर्त
केवड़ा	<u>कैविका</u>

कुँवर	कुमार
आसाढ़	आषाढ
खाँसी	कास
कन्नौज	कान्यकुब्ज
उजला / उजाला	उज्ज्वल
उबटन	उद्वर्ति
आमचूर	आम्रचूर्ण

आसरा	अश्रय
मनुष्य	मानुष
आँत	आंत्र
अटारी	अट्टालिका
अजान	अज्ञान
इमली	अम्लिका
इलाइची	रुमा

घँघट	अवगुंठन
अँगीठी	अग्निष्ठिका
अँधेरा	अंधकार
भाप	वाष्प
अँगूठा	अंगुष्ठ
अच्छर / आखर	अक्षर
व्याह	विवाह

बारिश	वर्षा
बारात	वरयात्रा
बैंगन	वातर्क
बेटा	वटु
बजरंग	बध्नांग
लोमड़ी	लोमशा
लौंग	लपंग

रूखा	रूक्ष
राजपूत	राजपुत्र
रस्सी	रज्जु
राखी	रक्षा रक्षिका
सिक्ख	शिष्य
भँवरा/भौरा	भ्रमर
भाँजा	भाषिनीय

बहिन

भगिनी

भालू

भल्लुक

बाँझ

बंझा

फेफड़ा

फुफफुस

परख

परीक्षा

सौंठ

शुंठि

मौत

मृत्यु

बाघ	व्याघ्र
जौ	यव
मामा	मातुल
मीत	मित्र
माथा	मस्तक
बिच्छू	वृश्चिक
जड़	जटा

मकड़ी	मकटी
मेंढक	मंडूक
जुआरी	धूतकारी
दरसन	दर्शन
नारियल	नारिकेल
नींबू	निम्बक
जुआ	धूत

दीया	दीपक
दियासलाई	दीपशलाका
चबूतरा	चत्वाल
उसास	उच्छवास
अखाड़ा	अक्षवट
साड़ी	शाटिका
नेवला	नकुल

भेडिया	वृक
रसोई	रसवती
साली	श्याली
साला	श्याल / श्यालसु
ससुर	श्वसुर
सावन	सावण
सीढ़ी	सैणी

सियार	शृंगाल
सिंगार	शृंगार
सास	श्वश्रु
साँवला	श्यामल